

क्रांक/एफ/२१/३० कार्गिल/गानील/७३/ ३६६

दिनांक:- २२.१२.७३

## परिपत्र

विषयः:- विभागीय प्रतिनिधि के कर्तव्य ।

विभागीय खात्य हेतु नियुक्त विभागीय प्रतिनिधियों के कर्तव्य का निम्न प्रकार निधारण किया जाता है :-

- १। विभागीय प्रतिनिधि नियुक्त आदेश प्राप्त होते ही आरोपित्र का अध्यायन कर सम्बन्धित शास्त्र/कार्यालय से दस्तावेजात प्राप्त करेंगे ।
- २। आरोपित्र से तात्कालिक प्राप्त दस्तावेज रिंकार्ड का भिल-भाँत अध्यायन कर उन्नयन करेगा कि जाँच के वित में किन-२ दस्तावेजात संबंधित गवाहान को जाँच में प्रत्युत कराना है । ऐसा नियम करने हेतु राइटर पे आवश्यक समझे तो सम्बन्धित विभाग/कार्यालय से छिपार-विमर्श भी करेगा ।
- ३। तत्पश्चात् जाँच अधिकारी को साक्ष्यों तथा दस्तावेजात की सूची प्राप्त होगा ।
- ४। जाँच अधिकारीयों से आरोपित द्वारा दाएँ गए दस्तावेजात की जाँच अधिकारी की अधिकांता पर प्राप्त कर जाँच अधिकारी के मार्फत आरोपित को उपलब्ध करायेगा ।
- ५। आरोपित द्वारा दाएँ गए दस्तावेजात को लोकवित एवं राज्य सुरक्षा दस्तावेज होने पर जाँच अधिकारी ने सूचित करेगा और इस प्राप्त सूचित किए जाने पर जाँच अधिकारी सूचना आरोपित को देगा ।
- ६। अधिकारी के सम्बन्धित विभागों के बलानों के मान-२ दस्तावेजात को पुदार्दार अ-ब-स लेखाकर तंत्रज्ञान अंकित करायेगा ।
- ७। आरोपित तथा आरोपित के गाह से नियन्त्रित दूड़ों को धरान में रखो तो जिरह करेगा :-
- ८। ताक्षी के वशन की स्थार्थता अर्थात् सत्त्वरा जी जाँच करेगा ।
- ९। साक्षी की विश्वसनीयता का पता लगाना उक्तकी स्मृति है । इसका प्रधान से कठा सम्बन्ध है, वह स्थानपूर्ण है रा हीं ?
- १०। वार्डों की वाली वे दूड़ों को दूर्घातप्रति करना ।
- ११। वार्डों के वशन की शक्ति वो नष्ट रा छोर करना, जड़ों तक कि वह आरोपित के तथ्यों से सम्बन्धित है । एवं तथ्यों से सम्बन्धित उपर्युक्त पूछकर ही किया जाना चाहिए ।
- १२। भाक्षी से ऐसे प्रश्न पूछना जिरहे वह नियम एवं के तथ्यों को प्रकट करने हें वह छिपा रहा है ।

17। भारतीयित के कानूनों से दहो दे बाहर जाए जाना चाहिए।

18। विश्वविद्यालय छात्र अधिकारी।

— 26 —  
२१.१.९३

भारतीय विश्वविद्यालय।

प्रमाण: प्रभाग/संकेत/अंकीय/१३६६। दिनांक: - २२.१२.९३

प्रीमियम: - इसमें दी दुर्घाप एवं अद्यतन जानकारी है।

19। भारत विधानसभा, राजसभा राज एवं सीरियस विषय, वृक्षाशासन, विधान विधान सभा की दृष्टि से। । राजसभा राज एवं सीरियस विषय, वृक्षाशासन, विधान सभा की दृष्टि से। राजसभा राज एवं सीरियस विषय, वृक्षाशासन, विधान सभा की दृष्टि से। राजसभा राज एवं सीरियस विषय, वृक्षाशासन, विधान सभा की दृष्टि से। राजसभा राज एवं सीरियस विषय, वृक्षाशासन, विधान सभा की दृष्टि से। ।

भारतीय विश्वविद्यालय।